University in News on 20 January 2020

Amar Ujala-My City Page 5

प्रोजेक्ट के जरिये अपनी आर्थिक तंगी दूर करेगा लविवि

कुलपति ने कहा- शिक्षकों को प्रोजेक्ट लाने के लिए किया जाएगा प्रेरित, शॉर्ट टर्म पाठ्यक्रम चलाने की भी योजना

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रोजेक्ट के माध्यम से अपनी आर्थिक तंगी दूर करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत विवि हर शिक्षक को कम से कम एक प्रोजेक्ट लाने का लक्ष्य देगा। इन प्रोजेक्ट में शॉर्ट टर्म कोर्स चलाने का प्रावधान भी होगा। प्रोजेक्ट से मिले बजट से विवि को आर्थिक संसाधन मिलेंगे तो शॉर्ट टर्म फीस से विवि को रुपये भी मिलेंगे। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार सबसे बड़ा फायदा शोध के क्षेत्र में होगा। विवि इस तरह से समाज के लिए और बेहतर शोध कर पाएगा।

शासन ने लविवि का अनुदान पिछले 20 साल से फ्रीज कर रखा है। इस वजह से विवि को अनुदान के रूप में सिर्फ 34 करोड़ रुपये ही मिलते हैं। काफी समय से यह राशि बढ़ाई भी नहीं गई है। पिछले 10 साल में स्थिति काफी बदल चुकी है। विवि के खर्चों में काफी बढ़ोत्तरी हो चुकी है। यहां तक कि अकेले वेतन पर ही 160 करोड़ रुपये सालाना का खर्च आता है। इन हालात में विवि की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। अपनी स्थापना के सौवें साल में प्रवेश करने जा रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के पास आर्थिक संकट से उबरने का कोई रास्ता नहीं है। विवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार यहां के शिक्षक काफी अच्छे हैं। पब्लिकेशन और शोध के मामले में उनका कोई जोड़ नहीं है। विज्ञान के साथ ही सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं की ओर से काफी प्रोजेक्ट दिए जाते हैं। इसलिए हर शिक्षक को चाहिए कि यहां कम से कम एक रिसर्च प्रोजेक्ट जरूर करें। इससे विद्यार्थियों को सीखने का मौका मिलेगा और विश्वविद्यालय संसाधन भी जुटा सकेगा।

13 नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मंजूर, पुराने शुरू होने का इंतजार

लविवि को मौजूदा वित्तीय वर्ष में 13 नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को मंजूरी मिली है। इनका कुल बजट एक करोड़ तीन लाख रुपये है। वहीं दूसरी ओर पिछले साल की मंजूरी वाले 11 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को अभी शुरू होने का इंतजार है। इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दूसरी किस्त भी आ चुकी है, लेकिन इनकी शुरुआत अभी तक नहीं हो सकी है। इस साल मंजूर हुए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में- उत्तर प्रदेश में ग्रामीण औद्योगिकीकरण और समाजिक आर्थिक बदलाव, इनवायरमेंटल इंपैक्ट एंड ह्यूमन हेल्थ, स्केल बेस्ड रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम, जियो हायड्रोलॉजिकल एसेसमेंट, अर्बन वाटर क्वालिटी मॉनीटरिंग सिस्टम, स्लोप एस्टेबिलिटी इन्वेस्टीगेशन इन हिली एरिया, गांधी विजन, इनोवेशन मैटेरियल्स एंड साइबर वर्ल्ड, क्राइम अगेंस्ट वीमेन रोल ऑफ वीमेन पुलिस, वायलेंस अगेंस्ट गर्ल्स इन स्कूल, डाटा एनालिसिस फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट, मॉलेक्यूलर एनालिसिस ऑफ जेनेटिक डिसीज और फिश प्रोडक्टिविटी, शामिल हैं।

बजट मिला मगर ये नहीं हुए शुरू

- हाइड्रो-डायनेमिक्स एंड बिहैविरल पैटर्न ऑफ गोमती
- अवध और उत्तर प्रदेश की जनजाति की ग्रोथ के लिए
- सोश्योलॉजी इकोलॉजी, इंवायरमेंट एंड सस्टेनबल डवलपमेंट
- प्रोसेज ऑफ प्रमोशनल एप्रोच फॉर बेटर लाइवहुड फैसिलिटीज
- उद्यमिता विकास
- सोशल मीडिया
- बॉटनी
- फिजिक्स
- कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी
- जूलॉजी विभाग में मछलियों पर आधारित
- मछलियों पर न्यूट्रीजेनोमिक्स

सबसे मजबूत पक्ष हैं यहां के शिक्षक

"लविवि का सबसे मजबूत पक्ष यहां के शिक्षक हैं। शिक्षकों ने शोध और प्रकाशन में शानदार काम किया है। इसलिए उम्मीद की जाती है कि हर शिक्षक कम से कम एक प्रोजेक्ट जरूर लेकर आएं। इस तरह से शोध को बढ़ावा मिलेगा तथा विवि के संसाधन में भी बढ़ोत्तरी होगी।
- प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

एलयू न्यू कैंपस इंचार्ज दुरुस्त करेंगे व्यवस्थाएं

निरीक्षण पर पहुंचे वीसी ने छात्रों की समस्या सुनने के बाद की नियुक्ति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लंबे समय से उपेक्षा झेल रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर की सूरत संवरने की उम्मीदों को थोड़ा बल मिला है। विवि के नवीन परिसर में अब न्यू कैंपस इंचार्ज नाम का नया पद होगा। प्रो. डीएनएस यादव को विवि का पहला न्यू कैंपस इंचार्ज बनाया गया है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रविवार को नवीन परिसर के विद्यार्थियों से मिलने के बाद यह निर्देश जारी किया। प्रो. राय ने नवीन परिसर की समस्याओं का जल्द से जल्द निदान करने की बात भी कही।

लविवि के नवीन और पुराने परिसर के बीच करीब आठ किलोमीटर की दूरी है। एक तरफ पुराने परिसर में हर व्यवस्था दुरुस्त है तो दूसरी ओर नये परिसर की हालत बेहद खराब है। जरूरी सुविधाएं तो दूर परिसर और मैदान की स्थिति के मामले में भी नये परिसर का बुरा हाल है। लविवि कुलपति रविवार को न्यू कैंपस पहुंचे। इस दौरान उनके साथ अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन के साथ ही चीफ प्रोवोस्ट मनुका खन्ना तथा प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार भी मौजूद रहे। छात्रों ने कुलपति को बताया कि उन्हें अपनी बात कहने के लिए पुराने परिसर का चक्कर लगाना होता है। इसलिए यहां की समस्याओं का समाधान नहीं हो

न्यू कैंपस के निरीक्षण के दौरान छात्राओं से बात करते वीसी प्रो. आलोक कुमार राय।

जल्द खत्म हो जाता है वाई-फाई से मिलने वाला डाटा

कुलपति से वार्ता के दौरान विद्यार्थियों ने वाई-फाई का मुद्दा उठाया। विद्यार्थियों ने बताया कि परिसर में वाई-फाई सुविधा का लाभ मिलता है, लेकिन दिन भर में सिर्फ 35 एमबी डाटा ही मिलता है। यह डाटा शुरू होते ही खत्म हो जाता है। इसके साथ छात्रों ने परिसर में गंदगी तथा बदहाली का मुद्दा भी उठाया।

परिसर में बनेगी कैंटीन

छात्रों की मांग पर कुलपति ने नवीन परिसर में एक कैंटीन खोलने का निर्देश भी दिया है। नये परिसर में कैंटीन न होने की वजह से विद्यार्थियों को काफी असुविधा होती है। कुछ भी खाने-पीने के लिए उन्हें काफी लंबा चक्कर लगाना होता है। इसको देखते हुए कुलपति ने कैंटीन संचालित करने का निर्देश दिया है।

नए परिसर में होगा प्रशासनिक सुधार

"नये परिसर में प्रशासनिक सुधार के तहत इंचार्ज न्यू कैंपस की नियुक्ति की जा रही है। प्रो. डीएनएस यादव को यह जिम्मेदारी दी गई है। कुलपति ने इसके साथ ही परिसर में कैंटीन संचालित करने का निर्देश भी दिया है। - डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि

नवीन परिसर में एक इंचार्ज की नियुक्ति करने का निर्देश दिया। यह इंचार्ज सीधे कुलपति को रिपोर्ट करेगा। के प्रतिनिधि के रूप में काम करेगा। इसके साथ ही परिसर में अतिरिक्त कार्य अधीक्षक की नियुक्ति का भी

NBT Page 5

एलयू के ओल्ड-न्यू कैंपस में बने हॉस्टल के औचक निरीक्षण के दौरान वीसी बोले

कैंपस को समझें घर, रखें साफ-सफाई

एनबीटी, लखनऊ : 'पढ़ाई के साथ स्टूडेंट्स खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और दूसरी एक्टिविटीज पर भी ध्यान दें। इसके अलावा जितने भी साल आप कैंपस में हैं, इसे घर की तरह समझिए। इसकी साफ-सफाई पर ध्यान दें।' इन सुझावों के साथ रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ओल्ड और न्यू कैंपस के हॉस्टल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टूडेंट्स से उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। यह भी कहा कि वह हफ्ते में एक दिन न्यू कैंपस के ऑफिस में बैठने की भी योजना बना रहे हैं, जिससे यहां भी सुविधाएं बेहतर की जा सकें।

ओल्ड कैंपसः तिलक हॉस्टल

पानी में आ रही मिट्टी: तिलक छात्रावास पहुंचे वीसी को छात्राओं ने पानी के साथ मिट्टी आने की परेशानी बताई। इस पर उन्होंने जल्द ही समस्या का समाधान का आश्वासन दिया।

न्यू कैंपसः बीआर आम्बेडकर हॉस्टल

नहीं मिल पाई स्पोर्ट्स किट

हॉस्टल में रही लॉ की एक छात्रा ने बताया कि उन्हें स्पोर्ट्स किट मिलती है न ही खेलने के लिए कोई पर्याप्त व्यवस्था है। इस पर वीसी ने छात्राओं से कहा कि समस्याओं का समाधान निकालने की अप्रोच अपने अंदर विकसित करें। मैनेजमेंट के पास जाएं और उन्हें समस्या बताएं। हम इसके लिए प्रतिबद्ध होंगे।

होमी जहांगीर भाभा बॉयज हॉस्टल

पढ़ने के लिए लाइब्रेरी नहीं : हॉस्टल में रहे रहे छात्रों ने कहा कि हॉस्टल के प्रोवोस्ट डॉ. किशोरी लाल सुविधाएं बेहतर करने के लिए काफी काम कर रहे हैं, लेकिन हमारे पास खुद की लाइब्रेरी नहीं है। हमें दूसरे विभाग की लाइब्रेरी में पढ़ना पड़ता है। साथ ही खेलकूद के लिए बेहतर प्लेग्राउंड की भी कमी है। इस पर जल्द ही समस्याओं पर चर्चा कर समाधान करने का आश्वासन दिया। इसके बाद वीसी ने लावण्या और मैनेजमेंट बॉयज हॉस्टल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान वीसी ने न्यू कैंपस में सुरक्षा व स्वच्छता से निपटने के लिए प्रो. डीएनएस यादव को प्रफेसर इंचार्ज बनाया है।

i-Next Page 5

न्यू कैंपस को मिल गया प्रभारी संभालेंगे प्रशासनिक जिम्मेदारी

प्रो. डीएनएस यादव को बनाया गया प्रभारी, यू कैंपस के स्टूडेंट्स को नहीं आना होगा ओल्ड कैंपस

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

स्टूडेंट्स से बात करते वीसी प्रो. आलोक कुमार राय.

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी के सीतापुर रोड स्थित न्यू कैम्पस में लंबे समय के बाद एक प्रभारी नियुक्त किया गया है. एलयू वीसी प्रो. अलोक कुमार राय ने लॉ विभाग के प्रोफेसर डीएनएस यादव को न्यू कैम्पस के प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है. ऐसे में स्टूडेंट्स अब अपने छोटे-छोटे कामों के लिए ओल्ड कैम्पस नहीं आना पड़ेगा.

फीस, परीक्षा, हॉस्टल से जुड़ी समस्या वहीं होगी दूर

एलयू के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि न्यू कैम्पस के प्रभारी को वीसी ने कुछ अधिकार दिए हैं. वह छात्रों की छोटी-छोटी समस्या को अपने स्तर से ही दूर कर सकेंगे. साथ ही परीक्षा, वित्त या दूसरे प्रशासनिक अधिकारियों से जुड़े कामों को खुद ओल्ड कैम्पस आकर सक्षम अधिकारियों के साथ बैठक कर उसे दूर कराएंगे. प्रभारी को न्यू कैम्पस में तैनात एडमिशनल प्रॉक्टर, प्रॉवोस्ट सहित दूसरे अधिकारियों के साथ बैठककर न्यू कैम्पस की व्यवस्था का सही से संचालन करने में बदलाव के भी अधिकार दिये गये हैं.

लखनऊ यूनिवर्सिटी के सीतापुर रोड स्थित न्यू कैम्पस में लंबे समय के बाद एक प्रभारी नियुक्त किया गया है.

वीसी ने किया न्यू कैंपस का दौरा

वही संडे को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने न्यू कैम्पस का दौरा किया. उन्होंने हॉस्टलों के निरीक्षण के दौरान स्टूडेंट्स से बात भी की. वीसी से मुलाकात के दौरान कुछ छात्राओं ने हॉस्टल में खाने-पीने की समस्या की शिकायत की, जिस पर वीसी ने जल्द सभी समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया. वीसी ने न्यू कैम्पस के सभी हॉस्टलों में बेहतर सुविधा मुहैया कराने का आदेश दिया. इसके साथ ही उन्होंने न्यू कैम्पस में एक नई कैंटीन खोलने का भी आदेश दिया.